जय माता बनभौरी

जय माता बनभौरी

जय माता शिक्षण संस्थान

बनभौरी (हिसार) फोन : 01693-253437

हमारे शिक्षण संस्थान :-

एस.आर.एम. जय माता सी.सै. स्कूल

स्थाई मान्यता प्राप्त (आर्ट्स, कॉमर्स एवं साईंस) (हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम)

जय माता कॉलेज ऑफ एजुकेशन

दाखिला खुला, सीटें सीमित

जय माता स्कूल ऑफ नर्सिंग एण्ड मैडिकल साईंसिज

दाखिला खुला, सीटें सीमित

Surender Kaushik
President
Mob. 99964-00888

★ सम्पर्क ★ सहयोग ★ संस्कार ★ सेवा ★ समर्पण

HARHIN 04839/07/1/2009-TC वर्ष-03 अंक-08 जुलाई-सितम्बर 2011 (आषाढ़-भाद्रपद २०६७)

विकास सूत्र VIKAS SUTRA

भारत विकास परिषद् — तमसो मा ज्योतिर्गमय — स्था० 1963 — राष्ट्रदेवो भव

भारत विकास परिषद्, हरियाणा पश्चिम की त्रिमासिक पत्रिका

आओ हम सब मिलकर, यह प्रण आज करें।
भ्रष्टाचार के खिलाफ, नई जंग का आगाज करें॥

भाविप हरियाणा पश्चिम-प्रान्तीय कार्यक्रम

28 अगस्त 2011 को विवेकानन्द शाखा, हिसार के आतिथ्य में आयोजित प्रान्तीय महिला सम्मेलन में कार्यक्रम अध्यक्षा डॉ. विजया प्रभा ने महिलाओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए प्रेरित किया।

17 जुलाई 2011 को शाखा तलवाड़ा खुर्द के आतिथ्य में आयोजित प्रथम प्रान्तीय परिषद् बैठक में क्षेत्रीय तथा प्रान्तीय दायित्वधारियों ने सम्वत् 2068 के कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की।

शाखा स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता

31 अगस्त 2011 को सफीदों शाखा द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में सरस्वती विद्या मन्दिर व.मा.वि. की टीम प्रथम स्थान पर रही।

हांसी शाखा द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के हिन्दी वर्ग में रा.व.मा.वि. हांसी की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

27 अगस्त 2011 को ऐलनाबाद शाखा द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के दोनों वर्गों में नचिकेतन पब्लिक स्कूल की टीम प्रथम रही।

टोहाना शाखा द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागी टीमों ने शानदार प्रस्तुती से माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

तलवाड़ा खुर्द शाखा ने स्थानीय बस स्टैण्ड पर ठंडे पानी की प्याऊ लगाकर सराहनीय कार्य किया।

22 जुलाई 2011 को वीर शाखा, हिसार द्वारा ज्ञान दीप सेवार्थ आश्रम में 12 जरूरत मंद विकलांग बन्धुओं को निः शुल्क कृत्रिम अंग प्रदान किये।

जन्मदिन मुबारक

25 अगस्त, 2003
हेमन्त गुप्ता
सुपुत्र श्री ऋषिपाल गुप्ता,
नरवाना शाखा

सफीदों शाखा के सदस्यों ने श्री राम प्रभु के प्राकट्य महोत्सव पर शहर में शोभायात्रा निकालकर सद्भावना का सन्देश दिया।

तलवाड़ा खुर्द शाखा के आतिथ्य में आयोजित प्रथम प्रान्तीय परिषद् बैठक में देशभक्ति गीत प्रस्तुत करने वाली छात्रा को प्रान्तीय अध्यक्ष गोपाल कृष्ण पोपली ने पुरस्कृत किया

29 मई 2011 को फतेहाबाद शाखा के तत्वावधान में कृष्णा सेवा समिति धर्मशाला के प्रागंण में 11 कन्याओं का सरल सामूहिक विवाह करवाया गया तथा सहभोज दिया गया।

श्री श्री 1008 ओमानन्द महाराज के सानिध्य में प्रान्तीय महासचिव श्री नरेन्द्र शर्मा ने विवेकानन्द शाखा, हिसार की नई कार्यकारिणी के सदस्यों को दायित्व ग्रहण करवाया।

14 जून 2011 को विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर ऐलनाबाद शाखा द्वारा लगाये गये स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 215 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

शाखा गतिविधियों की झलकियाँ

उकलाना मंडी शाखा द्वारा सैनिक हाई स्कूल में सेवार्थ पैथोलॉजिकल लैब. के तत्वाधान में नि:शुल्क रक्त जाँच शिविर लगाया गया।

टोहाना शाखा द्वारा आयोजित ड्राइविंग लाइसेंस शिविर में उपमंडल कार्यालय के सहयोग से एक ही दिन में 500 लाइसेंस बनवाकर उदाहरण प्रस्तुत किया।

28 जुलाई 2011 को सफीदों शाखा के सदस्यों ने नगरवासियों को नि:शुल्क तुलसी के पौधे वितरित किये।

28 अगस्त 2011 को प्रान्तीय महिला सम्मेलन में विवेकानन्द शाखा हिसार के महिला सदस्यों ने देशभक्ति का सुन्दर गीत प्रस्तुत किया।

बरवाला शाखा की गतिविधियों की झलकियाँ

9 सितम्बर 2011 को बरवाला शाखा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता के विजेताओं को विधायक श्री रामनिवास घोड़ेला ने पुरस्कृत किया।

31 मई 2011 को पॉलीथिन थैलों के प्रयोग को बंद करने के लिए रा.क.व.मा.वि. बरवाला की छात्राओं ने परिषद् सदस्यों के साथ जागरूकता रैली निकाली।

निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर शाखा सदस्यों ने मीठे पानी की छबीलें लगाई।

10 जुलाई 2011 को परिषद् के स्थापना दिवस पर राधास्वामी सत्संग आश्रम बरवाला में 200 पौधे रोपित किये गए।

65 वें स्वतंत्रता दिवस पर परिषद् सदस्यों का सम्मान

सिरसा में आयोजित जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाविप क्षेत्र-2 के महामंत्री श्री रमेश गोयल को जल संरक्षण में सराहनीय योगदान के लिए मंत्री श्री अजय यादव ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

बरवाला में आयोजित उपमंडल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में विकास सूत्र के सम्पादक डॉ. सतीश वर्मा को समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए विधायक श्री रामनिवास घोड़ेला ने सम्मानित किया।

बरवाला में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में बरवाला शाखा के सदस्य श्री साधुराम जाखड़ को स्काउट एवं गाईड क्षेत्र में प्रशंसनिय योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया।

बरवाला में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में बरवाला शाखा के सचिव श्री सतबीर नेहरा को शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर शाखाओं की गतिविधियाँ

65वें स्वतन्त्रता दिवस के शुभ अवसर पर भूतेश्वर, जीन्द के सदस्यों ने राष्ट्र की सुख, स्मृद्धि एवं शान्ति के लिए हवन यज्ञ किया।

65वें स्वतन्त्रता दिवस के पावन अवसर पर टोहाना शाखा के सदस्यों ने शहीदों की याद में पौधारोपण किया।

भारत में जनसंख्या विस्फोट को दर्शाता हुआ यह फोटोग्राफ जिला भिवानी के सचिव श्री संजय कामरा ने विकास सूत्र में प्रकाशन हेतु प्रेषित किया है।

शाखा गतिविधियों की झलकियाँ

30 जुलाई 2011 को रतिया शाखा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सांसद अशोक तंवर ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अध्यापकों को सम्मानित किया।

ऐलनाबाद शाखा द्वारा एक विशाल योग शिविर लगाया गया जिसमें सैंकड़ों लोगों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।

सिरसा शाखा के सदस्यों ने गायत्री परिवार हरिद्वार के सहयोग से 11 कुंडीय हवन यज्ञ का आयोजन किया।

10 जुलाई 2011 को मण्डी डबवाली शाखा द्वारा परिषद् के स्थापन दिवस पर तुलसी व बैलपत्र के पौधे लगाये गए।

भूतेश्वर, जीन्द की गतिविधियों की झलकियाँ

23 मार्च 2011 को शहीदी दिवस के अवसर पर शाखा सदस्यों ने शहीद स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

28 मई 2011 को शाखा द्वारा जिला बार ऐसोसिएशन, जीन्द के सहयोग से एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया गया।

10 सितम्बर 2011 को राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले बच्चों को मुख्य अतिथि ने पुरस्कार प्रदान किये।

31 जुलाई 2011 को महिला सदस्यों ने हरियाली तीज के पावन अवसर पर अग्रोहा धाम का सपरिवार भ्रमण किया तथा तीज के गीत गाये।

● सम्पर्क ● सहयोग ● संस्कार ● सेवा ● समर्पण

HARHIN 04839/07/1/2009-TC वर्ष-03 अंक-08 जुलाई-सितम्बर 2011
(आषाढ़-भाद्रपद २०६७)

विकास सूत्र VIKAS SUTRA

भारत विकास परिषद्, हरियाणा पश्चिम की त्रिमासिक पत्रिका

प्रान्तीय अध्यक्ष
गोपाल कृष्ण पोपली (एडवोकेट)
विजय बुक स्टाल के सामने,
रेलवे रोड़, भिवानी
फोन : 01664-244141, 241411
मो० : 93153-74141
e-mail : gopalpopli@gmail.com

सम्पादक
डॉ. सतीश वर्मा
390, सैक्टर 16-17,
हिसार-125001 (हरि.)
फोन : 01662-250644
मो०: 94663-30999
editorvikassutra@gmail.com

प्रान्तीय महासचिव
नरेन्द्र शर्मा
वार्ड नं० 6, मढ़ कालोनी, रतिया
फोन : 01697-252787 (R), 250064 (O)
मो०: 94163-55975, 92554-14506
e-mail : n4narendersharma@gmail.com

सह-सम्पादक
अनूप कुमार
अनुपम कार्ड गैलरी
रेलवे रोड़, टोहाना
मो०: 94160-45951
e-mail : anupkbvp@gmail.com

प्रान्तीय कोषाध्यक्ष
सुरजीत चावला
मै० चावला स्टीलस,
सरकुलर रोड़, भिवानी
फोन : 01664-251268
मो०: 94160-59217

आमुख चित्रकार
राजेश जांगड़ा
मकान नं. 28, माडल टाउन,
पपीहा पार्क के पीछे,
फतेहाबाद-125050
मो०: 98120-72096

जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग।
चंदन विष व्यापत नहीं, लिपटे रहत भुजंग।।

भ्रष्टाचारमुक्त भारत के लिए काम करें

''हर डाल पर उल्लू बैठा है, अंजाम-ए-गुलिस्तां क्या होगा!''

जिन्हें राष्ट्र के आन-बान-शान की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी वे ही आज अपने निहित स्वार्थों के वशीभूत होकर देश की शाख को बट्टा लगा रहे हैं। घोटालों की परतों में दबी भारत माँ का दम घुट रहा है। घोटालेबाज रावण की तरह अट्टाहास लगा रहे हैं तथा कानून को ठेंगा दिखा रहे हैं। आम जनमानस बेजान सा होकर सारा खेल देख रहा है। भ्रष्टतंत्र के खिलाफ उठने वाली आवाज को रोंद दिया जाता है। सत्येन्द्र दुबे जैसे कितने ही ईमानदार लोगों को भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने पर जान गंवानी पड़ी है। भ्रष्टाचारियों के दमन से आम आदमी त्रस्त है, दु:खी है, प्रताड़ित है। योग्य आवेदकों को नौकरी नहीं मिलती, गरीब लोगों तक सरकारी सहायता नहीं पहुँचती तथा प्रत्येक बच्चे तक मौलिक शिक्षा नहीं पहुँच पाती, यह सब भ्रष्टतंत्र के कारण है।

भ्रष्टाचार के घोर तिमिर में अन्ना हजारे रूपी एक प्रकाश स्तम्भ दिखाई दिया है। इनकी तपस्या और अंहिसात्मक क्रान्ति ने जनसंसद को संवैधानिक संसद से ऊँचा बना दिया है। लोगों को गांधीवादी, निष्कलंक, स्वच्छ छवि का एक ऐसा नायक मिला है जो भ्रष्टतंत्र के खिलाफ मजबूती से खड़ा है। घोटालेबाजों, भ्रष्टचारियों के माथे पर पड़ी सलवटें बता रही हैं कि अन्ना हजारे रूपी आंधी से उनका भ्रष्टतंत्र तहस-नहस होने वाला है। शायद देश के दुश्मन भ्रष्ट लोगों को यह आभास हो गया है कि उनकी जगह अब आलीशान बंगलों में नहीं बल्कि जेल-कोठरी में है। भ्रष्टाचारियों के खिलाफ आन्दोलन की इस मशाल को जलाए रखना सभी देशवासियों की नैतिक जिम्मेदारी है। सामाजिक संस्थाओं को भी प्राथमिकता के आधार पर इस यज्ञ में अपनी निरन्तर आहुती डालनी पड़ेगी तभी हमारा राष्ट्र विश्व में एक सशक्त जनतंत्र बनकर विश्व का मार्गदर्शक बन पायेगा। आओ इस नए युग की क्रान्ति में अपना अमूल्य योगदान दें।

भ्रष्टाचारियों का भ्रष्टतंत्र समूल मिटाना होगा।
देश के गद्दारों को अब सबक सिखाना होगा।।
नई आजादी के लिए अब उठ जाओ देशवासियो,
अब भ्रष्टाचार से मुक्त नया भारत बनाना होगा।।

- डॉ. सतीश वर्मा

सम्पादक, विकास सूत्र

भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ें

भ्रष्टाचार एक शब्द मात्र न रहकर, आम आदमी में सर्वाधिक चर्चित विषय बन गया है। महाराष्ट्र के एक छोटे से गाँव रालेगण सिद्धि के गांधी टोपीधारी अन्ना हजारे ने आम जनमानस में भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक लड़ाई की चिंगारी जगा दी है। दिल्ली के रामलीला मैदान में 13 दिन की अनशन की तपस्या ने भ्रष्टाचार रूपी रावण पर करारा प्रहार किया है। अन्ना हजारे के त्याग और तपस्या से भारतीयों की मानसिकता में विशेष परिवर्तन हुआ है। जनलोकपाल के रूप में जनता को एक नया अस्त्र मिलने जा रहा है, जिसकी मदद से भ्रष्टाचार से मुक्ति की आस जगी है। विशेषत: युवा वर्ग इस मुद्दे पर अधिक तर्कशील तथा सकारात्मक है तथा रिश्वत शब्द से भी परहेज करने को आतुर दिखता है।

भ्रष्टाचार ने 120 करोड़ से अधिक जनसंख्या वाले देश को नैतिक रूप से कमजोर किया है। निम्नस्तर से उच्चतम स्तर पर लिये जा रहे रिश्वत के पैसे से गद्दारी की बू आती है। देश में घोटालों की बाढ़ सी आई हुई है। घोटालेबाजों की कुटिल मुस्कुराहट ईशारा करती है कि वो भ्रष्टाचार को ही हथियार बनाकर निष्कलंक छूट जायेंगे तथा नए सिरे से अगले बड़े घोटाले की तैयारी में लग जायेंगे। अब समय आ गया है कि देश के साथ गद्दारी करने वाले भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्ती से निपटा जाये तथा उन्हें ऐसा सबक दिया जाये कि भविष्य में कोई रिश्वत लेने से पहले सौ बार सोचे। अन्ना हजारे की तरह सभी सामाजिक संस्थाओं को भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी पड़ेगी तभी भ्रष्टाचार रूपी राक्षस का अन्त हो सकेगा।

भारत विकास परिषद् एक सामाजिक संस्था है जो भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई के लिए प्रतिबद्ध है। इस संस्था का प्रत्येक सदस्य सच्ची लोकशाही के लिए काम करता है तथा नि:स्वार्थ देश सेवा की भावना से ओत-प्रोत है। मैं हरियाणा पश्चिम प्रान्त की सभी शाखाओं से आह्वान करता हूँ कि भ्रष्टाचार रूपी दशानन के दहन में सहयोग करें तभी हमारा वतन भारत पुन: सोने की चिड़िया बन पायेगा।

– गोपाल कृष्ण पोपली

प्रान्तीय अध्यक्ष

भ्रष्टाचार

भ्रष्टाचार शब्द बना है भ्रष्ट+आचार। जिसका अर्थ है आचरण का भ्रष्ट हो जाना। लौकिक दुनिया में भ्रष्टाचार का अर्थ धन–साधनों की बेईमानी से है, जबकि अध्यात्म में इसका अर्थ इससे कहीं अधिक व्यापक है।

1947 से पहले की पीढ़ी ने बलिदान देकर देश को आजाद करवाया परन्तु बाद की पीढ़ी ने कठिनता से मिली इस आजादी को कितना सम्भाल कर रखा है? देश को चलाने वाले सभी नेताओं ने शपथ लेकर इस आजादी की रक्षा करने का वचन लिया। परन्तु फिर यह सोने की चिड़िया कहे जाने वाला भारत महाभ्रष्ट व अति गरीब कैसे बन गया? बड़े–बड़े भ्रष्ट नेताओं, उच्च अधिकारियों ने अपने भ्रष्ट आचरण से देश के हजारों करोड़ रूपये विदेशी बैकों में जमा करवा रखे हैं। जबकि देश के अन्दर ही ऐसे लोग भी हैं जिनको दो वक्त का भोजन भी नसीब नहीं होता।

कार्यपालिका के बड़े–बड़े कार्यालयों से लेकर नीचे ब्लॉक स्तर तक भ्रष्टाचार का बोलबाला है। एकतरफ तो देश के आर्थिक, प्राकृतिक संसाधनों को लूटा जा रहा है, दूसरी तरफ मंहगाई से पिस रही आम जनता के लिए गैस, पैट्रोल, डीजल व तेल की कीमतों को बढ़ाकर उनकी कमर तोड़ी जा रही है।

कुछ व्यक्तियों व संस्थाओं ने हाल ही में भ्रष्टाचार के विरूद्ध आवाज उठाई है तथा भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए लोकपाल विधेयक बनाने व काले धन को जब्त करने के बारे में मुहिम छेड़ी हुई है। आज के संदर्भ में भ्रष्टाचार पर रोक लगाना अति आवश्यक है। प्रभावशाली लोकपाल विधेयक बने, सार्वजनिक सम्पत्तियों की लूट करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा मिले, भ्रष्टाचारियों द्वारा लूटे गए धन की वसूली की जावे तथा विदेशी बैंकों में जमा धन तथा काले धन को जब्त कर देश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया जाए। परन्तु भ्रष्टाचार की यह महामारी केवल कानून से नहीं मिटेगी, इसके लिए हमारे युवाओं में अच्छे संस्कारों की आवश्यकता है। जिनमें देशभक्ति के संस्कार कूट–कूटकर भरें हो और यह प्रतिज्ञा करें कि उन्हें देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना ही है। जब भारत का युवा वर्ग भ्रष्टाचार के खिलाफ उठ खड़ा होगा तब एक नये उज्जवल एवं स्वर्णिम भारत का उदय होगा।

– डॉ. रणजीत गुप्ता

प्रान्तीय संयोजक, युवा संस्कार

काला धन

काला धन (ब्लैकमनी) का नाम बहुत प्रचलित है। काला धन वह राशि व मुद्रा है जिस पर हम कर भुगतान नहीं करते और न ही बहियों या रिकार्ड में दिखाते हैं। धोखे से प्राप्त धन भी इसी श्रेणी में आता है। जब कोई व्यक्ति अपनी आय का केवल कुछ प्रतिशत ही अपनी आयकर विवरणी में दर्शाता है तो शेष अतिरिक्त आय काला धन माना जाता है । इस प्रकार हर व र्ष कर वंचना से बढ़ता हुआ काला धन व उस धन से प्राप्त आय काले धन की राशि को बढ़ाता रहता है। मार्केट फीस, मार्केट सैस, बिक्रीकर/वैट, आबकारी शुल्क, सेवाकर जैसे अनेक ऐसे अप्रत्यक्ष कर दायित्व हैं जिनके कारण वस्तु का मूल्य 30-40 प्रतिशत तक बढ़ जाता है जो कर चोरी को प्रोत्साहित करता है । कर चोरी रोकने के लिए तैनात अधिकारी 'अपवाद छोड़कर' कर चोरी को प्रोत्साहित करते हैं । इस क्रम के निरन्तर चलने से विभिन्न क्षेत्रों में अरबों खरबों रूपयों का काला धन जमा हो जाता है । अधिकारियों द्वारा प्राप्त रिश्वत की पूरी राशि काले धन की श्रेणी में आती है। जमीन जायदाद के वास्तविक व सरकारी दरों में अन्तर भी काले धन को प्रोत्साहित करता है। पूंजी लाभ पर 20 प्रतिशत आयकर भी रजिस्ट्री को कम राशि में कराने के लिए एक कारण है। इस काले धन से प्राप्त ब्याज, बनाए गए भवन का किराया या किसी भी प्रकार से उससे होने वाली आय काले धन को ही बढ़ाती है ।

भारत में कुल सकल घरेलू उत्पाद का एक चौथाई से अधिक काला धन है। 1999-2000 में यह लगभग 4.10 लाख करोड़ यानि 23 प्रतिशत था जो 2006-07 में 9.6 लाख करोड़ यानि 25.6 प्रतिशत और 2009-10 में लगभग 15 लाख करोड़ अनुमानित है जबकि विश्व बैंक अनुसार यदि यह राशि 20-25 लाख करोड़ हो तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। यह धन भारत के 14 वर्षों के बजट के बराबर है। विकसित व विकासशील 162 देशों के सर्वे के आधार पर विश्व बैंक का मानना है कि भारत में आर्थिक सुधारों के बावजूद काला धन बढ़ा है जबकि सामान्यत: ऐसा नहीं होता। यदि काले धन का ओलम्पिक हो तो निश्चय ही भारत स्वर्ण पदक प्राप्त करेगा। दूसरे नम्बर पर रूस रहेगा। स्विस बैंकिंग एसोसिएशन की 2006 की रिपोर्ट अनुसार भारत का 4456 बिलियन डालर, रूस का 470 बिलियन डालर, इंगलैंड का 390, यूक्रेन का 100 तथा चीन का 96 बिलियन डालर उनके पास जमा है। विदेश के सभी देशों में जमा 1500 बिलियन डालर की राशि भारत पर विदेशी कर्ज से 13 गुणा अधिक है। इस धन से भारत की 45 करोड़ गरीब जनता को प्रति व्यक्ति एक लाख रूपया मिल सकता है। स्पष्ट है कि भारत की जनता गरीब है भारत देश नहीं। भारतीयों की दूसरे देशों में जमा कुल राशि से भी अधिक स्विस बैंकों में जमा है। 80000 लोग प्रतिवर्ष स्विटजरलैंड जाते हैं जिनमें से लगभग 25000 लोग बार बार जाते हैं उनके रिकार्ड व गतिविधियों की जांच होनी चाहिए। एक जानकारी अनुसार वर्ष 2002 से 2006 की अवधि में 70 लाख करोड़ रूपया देश से बाहर गया ।

पूर्व विधि मन्त्री एवं ख्याति प्राप्त न्यायविद् राम जेठमलानी व अन्यों द्वारा स्विस बैंकों से काला धन वापसी सम्बन्धी एक जनहित याचिका उच्चत्तम न्यायालय में लगाई गई जिसके प्रत्योत्तर में भारत सरकार की ओर से 2 मई 2009 को शपथ पत्र दिया गया कि सरकार शीघ्र कार्यवाही करेगी। 5 मार्च 2010 को ससंद में राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के समय बोलते हुए माननीय प्रधानमन्त्री ने कहा था कि भारत ऐसे धन वापसी के लिए हर सम्भव प्रयास करेगा परन्तु भारत सरकार ने अभी तक ऐसी कोई मांग नहीं रखी है। अन्ना हजारे की मांग पर लोकपाल बिल लाना और उसमें मूल मुद्दों पर विवाद तथा 4 जून को बाबा रामदेव के नेतृत्व में भ्रष्टाचार व कालेधन के विरूद्ध शान्ति पूर्ण अनशन कर रहे लोगों पर अप्रत्याशित तथा बर्बरतापूर्ण कार्यवाही से स्पष्ट है कि सरकार बनवाने वाले व चलाने वालों की बहुसंख्या के नाम उनमें सम्मिलित है और वे लोग अन्तिम सांस तक इसे रोके रखने का प्रयास करेंगे परन्तु देश की जनता जब जाग चुकी है और भ्रष्ट राजनेताओं, अधिकारियों व व्यापारियों को अब छोड़ा नहीं जाएगा। उच्चत्तम न्यायालय द्वारा इस विषय में लिया गया संज्ञान भी प्रशंसनीय तथा राष्ट्र हित में है। सरकार की बदनियति इसी बात से साफ है कि उच्चत्तम न्यायालय द्वारा गठित विशेष जांच दल सम्बन्धी निर्णय के विरूद्ध सरकार अपील कर रही है ।

हजारों की संख्या में बने मठ भी काले धन के स्त्रोत हैं क्योंकि करोड़ों रूपये की राशि इन मठों के माध्यम से काले धन में परिवर्तित हो जाती है वहीं ये मठ कमीशन के आधार पर काले धन को सफेद करने का भी धन्धा करते हैं। बड़े बड़े भू–माफिया, रिश्वतखोर अधिकारियों, तस्करों, फिल्म स्टारों, क्रिकेटरों, भ्रष्ट राजनेता व बेईमान व्यापारियों के कारण कालाधन भारी मात्रा में तीव्र गति से बढ़ता है ।

सरकार को काला धन बढ़ने से रोकने के लिए अप्रत्यक्ष कर को बहुत कम करना होगा तथा प्रत्यक्ष कर दरें भी कम करनी होंगी। कर चोरी रोकने के लिए नियुक्त अधिकारियों के अधिकार समाप्त करते हुए पांच–पांच अधिकारियों के छापामार दल बनाए जाएं और सुनवाई के लिए अलग टीम गठित हों, जिसमें दोषी पाए जाने वाले लोगों के विरूद्ध समयबद्ध अधिकतम 3 मास में कार्यवाही हो। अपराधी घोषित व्यक्ति को कठोर कारावास के साथ उसके परिवार सहित सभी सरकारी सुविधाएं बन्द हों और उसे किसी भी सार्वजनिक कार्य तथा चुनाव आदि के लिए स्थाई रूप में अयोग्य घोषित किया जाये। स्विस बैंक में जमा 65223 करोड़ की राशि यदि भारत में वापिस आ जाए तो अगले बीस वर्ष में बिना किसी टैक्स के सरकार चल सकती है और विकास कार्य हो सकते हैं ।

एक निश्चित समय तक देश के हर नागरिक के लिए अपनी सम्पति की घोषणा अनिवार्य कर दी जाये और जिस सम्पति का कहीं विवरण न हो उसे सरकारी सम्पत्ति घोषित किया जाये। विदेशों में जमा धन वाले खातों का विवरण सार्वजनिक किया जाये। आवश्यक हो तो अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रकार के समझोते किए जाएं जिसके अनुसार विदेश में

खुलवाये गए खाते व जमा धन का विवरण इन्टरनेट पर उपलब्ध हो तथा सम्बन्धित देश की सरकार को तुरन्त सूचना देना सबन्धित बैंक/संस्थान के लिए अनिवार्य हो। बड़े नोटों का प्रचलन बन्द करने से भी काला धन के प्रसार पर कुछ रोक लग सकती है जिसके लिए भारत स्वाभिमान आन्दोलन के संचालक बाबा रामदेव प्रतिदिन आवाहन करते है। एक बार 1000 रूपये के नोट प्रचलन से हटा लिए गए थे परन्तु कुछ समय बाद पुनः आरम्भ कर दिये गये ।

20 हजार रूपये से अधिक राशि बैंक व डाकघर में जमा कराने तथा बीमा प्रिमियम पर स्थाई खाता संख्या व पेन अनिवार्य किया जाए क्योंकि कई लोग अधिक संख्या में अलग अलग एफ.डी. या बीमा में बड़ी राशि व काला धन जमा करा देते हैं। ऐसा करने से अरबों खरबों रूपयों के जमा का यदि कोई मालिक नहीं बनेगा तो ऐसी सारी राशि सरकार के पास जमा हो जायेगी या टैक्स प्राप्त होगा।

तिरूपति बालाजी विश्व का सर्वाधिक आय वाला संस्थान है और सितम्बर 2010 की एक रिपोर्ट अनुसार ट्रस्ट द्वारा 52 हजार करोड़ मूल्य के आभूषणों का बीमा करवाया जा रहा है। इन आभूषणों का संस्थान, समाज व देश को कोई लाभ नहीं है। बहुत श्रेष्ठ होगा यदि ऐसे सभी संस्थान बेकार पड़ी स्थाई व अस्थाई सम्पति या राशि को अन्य वास्तविक सामाजिक संगठनों के माध्यम से देश में शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में निवेश करके राष्ट्र उत्थान में सहयोग करें ।

2007-08 में 427.82 करोड़ रूपये, 2008-09 में 550.23 करोड़ व 2009-10 में 786.27 करोड़ रूपये सरकारी छापों में जब्त किए गए। जनवरी 2007 में पुणे में एक हसन अली खान पर छापा कार्यवाही में पता चला कि 8.04 बिलियन डालर स्विटजरलैंड के ज्यूरिच शहर में यूबीएस बैंक जमा राशि का पता चला था । ऐसी छापा कार्यवाही बढ़ाई जानी चाहिए।

विशेषज्ञों की एक रिपोर्ट के अनुसार विश्व की 1 प्रतिशत आबादी 57 प्रतिशत से अधिक वैश्विक सम्पदा का उपभोग कर रही है। काला धन देश के विकास में सबसे बड़ी रूकावट है। देश व समाज हित में इस रैकट को मिटाना आवश्यक है। निश्चित रूप से काला धन वापसी से भारत विश्व का सर्वाधिक समृद्ध देश बन सकता है। भारत सरकार को शीघ्र इस विषय में कठोर कार्यवाही करनी चाहिए ।

– **रमेश गोयल,** आयकर सलाहकार

20, आर एस डी कलोनी, सिरसा

मो. 09416049757, फैक्स 01666-221757

लेखक भारत विकास परिषद् क्षेत्र-2 के महामंत्री हैं, तथा वरिष्ठ अधिवक्ता, आयकर सलाहकार, आयकर बार एसोसिएशन, सिरसा के संस्थापक सचिव व पूर्व अध्यक्ष हैं।

जनलोकपाल एक आशा या विश्वास

पिछले एक वर्ष से पूरे देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बहस और जंग छिड़ी हुई है। भारत के लिए भ्रष्टाचार कोई नया मुदा नहीं है बल्कि आजादी के बाद से ही भ्रष्टाचार दीमक की तरह फैलता गया कि मानो इसे सामाजिक मान्यता मिल गयी हो। आज राजनेताओं के भ्रष्ट आचरण से जनता गुस्से में है, जगह–जगह लोग सड़कों पर आ रहे हैं। वास्तविकता यह है कि देश की जनता में लगभग 99 प्रतिशत लोग या तो मजबूरी में या लालचवश भ्रष्ट व्यवस्था के आदी हैं। अन्ना हजारे जैसे नायक के कारण आज अधिकतर हर व्यक्ति चाहे वह भ्रष्ट है या ईमानदार है, इस लड़ाई में आवाज उठा रहा है।

समस्या यह है कि अधिकतर लोग भ्रष्ट व्यवस्था को हटाने के पक्षधर तो हैं परन्तु इसके खिलाफ सीधे–सीधे खुद कुछ करना नही चाहते क्योंकि कई लोग यह मानते हैं कि यह लाईलाज है। कई लोगों का मत है कि हमारे करने से क्या होगा, कई लोग खुद भ्रष्ट हैं अगर विरोध करते हैं तो खुद पर ही कार्यवाही का डर लगता है। जब तक लोग खुद इस लड़ाई में अपनी भूमिका तय नहीं करते तब तक लोकपाल जैसे सशक्त कानून भी पूरी तरह से काम नहीं कर पायेंगें। सोचने की बात यह है कि हमारी सारी आशाएं केवल एक कानून जनलोकपाल बनने तक ही रूक जाती हैं। जनलोकपाल जैसे कानून तभी सही रूप से काम कर पाएंगे जब जनता खुद इस लड़ाई में योगदान देगी। केवल कानून बनने मात्र से ही देश में बहुत बड़ा परिवर्तन आना संभव नहीं, उस कानून को सही रूप से लागू करने एवं जनता के जागरूक होने पर ही कुछ संभव है। जिस प्रकार सूचना का अधिकार जैसे कानून भी जनता सही तरीके से प्रयोग नहीं कर पाई, उसी प्रकार जनता की कमजोर इच्छाशक्ति के कारण जनलोकपाल भी अन्य कानूनों की तरह ही अप्रभावी न रह जाए।

पिछले दिनों जब देश के नायक अन्ना हजारे के अनशन तोड़ने पर एवं सरकार तथा राजनीतिक दलों के झुकने पर पूरे देश में जश्न मनाए गए। पूरी देश की जनता ने इकट्ठे होकर पहली बार राजनेताओं को बता दिया कि देश में जनता नाम की भी कोई शक्ति है। वास्तव में जनलोकपाल को पास करवाने व उसको लागू करवाने से लेकर, जनता की भूमिका तय करने तक, एक लंबी लड़ाई के प्रति यह एक सशक्त कदम है जीत नहीं।

– अनूप कुमार
सह सम्पादक, विकास सूत्र
प्रान्तीय संयोजक, रा. स. प्रतियोगिता

प्रान्तीय महिला सम्मेलन

महिला जागरूकता एवं विकास पर केन्द्रित हरियाणा पश्चिम का प्रान्तीय महिला सम्मेलन विवेकानन्द शाखा, हिसार के सानिध्य में 28 अगस्त 2011 को सम्पन्न हुआ। इसमें 20 शाखाओं से 381 सदस्यों ने भाग लेकर रिकार्ड सहभागिता की। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि सुचेता सर्राफ और विशिष्ट अतिथि, महिला मंडल प्रधान कमल जैन ने दीप प्रज्ज्वलन करके किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. विजया प्रभा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् से किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित शिक्षाविद तारन राय ने कहा कि स्त्री और पुरूष एक दूसरे के पूरक हैं, न कि विरोधी। इसलिए जरूरी है कि पारिवारिक संगठन को और मजबूत किया जाए। श्रीमति कमल जैन ने भारतीय त्यौहारों के राष्ट्रीय महत्व के बारे में कहा कि महिलाओं को अपनी आत्मशक्ति और सामाजिक शक्ति बढ़ाने की जरूरत है। श्रीमति सुचेता सर्राफ ने कहा कि महिलाएं अपने मौलिक गुणों–प्यार, सहनशीलता और पारिवारिक एकता द्वारा एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकती है।

प्रान्तीय महासचिव श्री नरेन्द्र शर्मा और अनुपमा अग्रवाल ने मंच संचालन किया। प्रान्तीय अध्यक्ष गोपाल कृष्ण पोपली ने महिला सहभागिता की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। प्रान्तीय महिला संयोजिका इन्दु मुंजाल ने काव्य शैली में परिषद् परिचय करवाया तथा महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के लिए उनका धन्यवाद किया। विजय टक्कर के सुपुत्र अमन टक्कर ने देशभक्ति का सुन्दर गीत प्रस्तुत किया जिसे सभी श्रोताओं ने सराहा। विवेकानन्द शाखा के सचिव अमर गोयल ने सभी शाखाओं का धन्यवाद किया।

–इन्दु मुंजाल
प्रान्तीय महिला संयोजिका

आगामी प्रान्तीय कार्यक्रमों की सम्भावित रूपरेखा

1.	रा.समूहगान/संस्कृत लोकगीत	16–10–11	जींद (भूतेश्वर)
2.	भारत को जानो	20–11–11	उकलाना
3.	द्वितीय प्रान्तीय परिषद्	12–02–12	टोहाना
4.	प्रान्तीय अधिवेशन	18–03–12	ऐलनाबाद
5.	क्षेत्रीय बैठक	केन्द्र आदेशानुसार	जुलाना

टोहाना शाखा के प्रशंसनिय कार्यों की रिपोर्ट

1. **नवसंवत हवन यज्ञः**- नवसंवत पर परिषद् की नई टीम ने नए वर्ष की शुरूआत हवन यज्ञ से की। 4 अप्रैल को नवसंवत हवन यज्ञ का आयोजन स्थानीय अनाज मंडी प्रांगण में किया गया। मुख्य यजमान के रूप में श्री लछमन बंसल, प्रधान अनाज मण्डी और श्री देव राज अरोड़ा, प्रधान मार्केट कमेटी और परिषद् के सभी सदस्य परिवार सहित उपस्थित थे।

2. **जल बिन सब सूनाः** शाखा ने अप्रैल माह में ''जल बिन सब सूना'' शीर्षक से पूरे शहर में जल बचाओ अभियान चलाया। जिसकी शुरूआत शहर के उपमंडल अधिकारी श्री अश्विन मैंगी ने की। इस अभियान में परिषद् ने शहर के 10 विद्यालयों के लगभग 5000 विद्यार्थियों तक यह सन्देश पहुँचाया। इसके लिए प्रत्येक स्कूल से 10-10 जल सैनिकों का चुनाव किया गया जिन्होनें घर घर जाकर लोगों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया। यह अभियान 21 अप्रैल से 21 मई तक चलाया गया। इस विषय में विभिन्न समाचार पत्रों में, पत्रकों के माध्यम से और गोष्ठियों के माध्यम से जन जन तक यह सन्देश पहुंचाने का प्रयास किया गया।

3. **नेत्रदानः**- शाखा द्वारा श्रीमती जीत कौर (65), श्रीमती सरला देवी (67) और सुखदेव सिंह के मरणोपरांत नेत्रदान करवाए। शाखा द्वारा अब तक 134 नेत्रदान करवाए जा चुके हैं। परिषद् द्वारा किये गए प्रयासों से 10 लोगों ने मरणोपरांत देहदान का भी संकल्प लिया है। परिषद् ने इस प्रकल्प के माध्यम से अपनी एक अलग छवि बनायी है। परिषद् सदस्यों देव सिंगला, प्रवीण मेहंदीरत्ता, कुश भार्गव का विशेष सहयोग रहा।

4. **धूम्रपान निषेध दिवसः**- शाखा द्वारा 31 मई को धूम्रपान निषेध दिवस स्थानीय रेलवे स्टेशन पर जा कर धूम्रपान से होने वाली शारीरिक और मानसिक हानियों के बारे में जागरूक किया और 5 लोगों द्वारा धूम्रपान छोड़ने का संकल्प भी लिया गया। इस विषय में शहर के सभी हिस्सों में पत्रकों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया गया।

5. **परिवार मिलनः**- परिषद् द्वारा शाखा के 11 वें स्थापना दिवस 28 मई के उपलक्ष्य पर परिवार मिलन का आयोजन किया गया। परिषद् के सभी सदस्य परिवार सहित कार्यक्रम में उपस्थित थे। परिवार मिलन में सभी सदस्यों द्वारा देश

भक्ति के गीतों व भजनों की अन्ताक्षरी भी खेली गयी। परिवार मिलन में शहर के प्रसिद्ध समाजसेवी डॉक्टर शिव सचदेवा और श्री मनोहर भारती (सचिव मार्केट कमेटी) ने भी परिवार सहित उपस्थित होकर परिषद् परिवार का मनोबल बढ़ाया और परिषद् द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। 2 नए सदस्यों को भी सदस्यता की शपथ दिलवायी गयी

6. **विश्व नेत्रदान दिवसः**- परिषद् द्वारा विश्व नेत्रदान दिवस (10 जून) के उपलक्ष्य पर स्थानीय ग्रामीण कॉलेज में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कॉलेज में आयोजित गोष्ठी में उपस्थित भावी शिक्षकों और छात्रों को नेत्रदान से जुड़े सभी विषयों से अवगत करवाया गया। उपस्थित जनसमूह ने परिषद् द्वारा चलाये जा रहे इस अभियान में बढ़ चढ़ के हिस्सा लेने का संकल्प लिया। इस गोष्ठी में परिषद् अध्यक्ष कुमार संजय, सचिव कुश भार्गव और सह सचिव सुशील गुप्ता ने अपना विशेष योगदान दिया।

7. **टीकाकरण शिविरः**- शाखा द्वारा टायफायड से बचाव के लिए 18 वें टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 250 लोगों को टायफायड से बचाव हेतु लाभ हानि रहित दरों पर टीके लगाये गए। परिषद् द्वारा अब तक 18 शिविरों के माध्यम से 3000 से अधिक व्यक्ति लाभान्वित हो चुके हैं। यह टीका दो वर्ष से ऊपर सभी आयु वर्ग के लोगों को लगाया जाता है और दो वर्ष तक काम करता है। परिषद् सदस्यों गगन गर्ग, दीपक बंसल, चन्द्र भाटिया, जगमोहन अरोड़ा और नरेश अरोड़ा का विशेष योगदान रहा।

8. **रक्तदान शिविर :**- शाखा द्वारा कारगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए कारगिल विजय दिवस (26 जुलाई) की पूर्व संध्या पर एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया इस शिविर में 121 लोगों ने अपना रक्तदान कर माँ भारती के सपूतों को नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद् की राष्ट्रीय मंत्री श्रीमती अविनाश शर्मा ने की। उन्होने आज के युवाओं को भारत माँ के सपूतों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में आगे आने के लिये प्रेरित किया। इस शिविर में 11 महिलाओं और ऐसे लोगों ने रक्तदान किया, जो कि पहली बार अपना रक्तदान कर रहे थे। परिषद् अब तक 16 रक्तदान शिविर आयोजित कर 2000 से अधिक यूनिट रक्तदान करवा चुकी है।

9. **गुमशुदा बच्चे को मिलवाना :-** शाखा द्वारा परिषद् के राष्ट्रीय नेटवर्क के माध्यम से एक 12 वर्षीय गुमशुदा बच्चे को उसके पिता से मिलवाया गया। यह बच्चा कमालगंज उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। गुरदासपुर (पंजाब) से अपने घर लौटते समय यह गलती से रेल गाड़ी से कहीं उतर गया। भटकते हुए यह बालक टोहाना पहुंचा। परिषद् की राष्ट्रव्यापी छवि को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने इसकी जिम्मेवारी परिषद् को दी। इस बच्चे की मानसिक दशा को देखते हुए यह कार्य बहुत कठिन लग रहा था लेकिन परिषद् सदस्यों के अथक परिश्रम के बाद इसके बारे में जानकारी जुटाई गई। जानकारी लेने के बाद शाखा ने परिषद् के फर्रूखाबाद (यु.पी.) शाखा से सम्पर्क साधा। वहां के शाखा सदस्यों ने कमालगंज में इस लड़के के माता-पिता से सम्पर्क करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस तरह इस बच्चे को उसके पिता से मिलवाया गया। यह मिलन अपने आप में बहुत ही मानवीय और मार्मिक था।

शाखा टोहाना अब तक 14 ऐसे लोगों का मिलन करवा चुकी है।

- कुश भार्गव

सचिव, शाखा टोहाना

मो.-09355530575

---

11 कन्याओं का सामूहिक सरल विवाह

फतेहाबाद शाखा द्वारा 29 मई 2011 को स्थानीय कृष्णा सेवा समिति धर्मशाला में 11 गरीब कन्याओं का सामूहिक सरल विवाह करवाया गया। इस विशाल समारोह के मुख्य अतिथि श्री देवी दयाल तायल थे। परिषद् सदस्यों ने वर-वधू के परिवारों के लिए सहभोज का प्रबन्ध किया तथा कन्याओं को जरूरत का सामान भी प्रदान किया गया। इसमें मुख्य सहयोग श्री हरभगवान आहुजा द्वारा किया गया, विवाह कार्यक्रम में स्वामी अवधेशानन्द का सान्निध्य भी मिला। इस समारोह में क्षेत्र-।। चैयरमेन श्री चन्द्रप्रकाश आहुजा, शाखा प्रधान पवन रूखाया, सचिव प्रवीण मेहन्दीरत्ता, कोषाध्यक्ष राजकुमार टुटेजा सहित सभी सदस्यगण उपस्थित थे।

-प्रवीण मेहन्दीरत्ता

सचिव, शाखा फतेहाबाद

शाखा गतिविधियों की झलकियाँ

भूतेश्वर, जीन्द (पृथ्वी दिवस पर पौधारोपण):- शाखा सदस्यों द्वारा 22 अप्रैल 2011 को पृथ्वी दिवस के अवसर पर सुप्रीम सी. सै. स्कूल, जीन्द में पौधारोपण किया गया तथा इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में रमेश सिंगला ने पर्यावरण संरक्षण के बारे में विद्यार्थियों को विस्तारपूर्वक बताया।

– **रजनीश गर्ग एडवोकेट**,सचिव

फतेहाबाद (धूम्रपान निषेध दिवस):- 31 मई 2011 को परिषद् सदस्यों ने बस स्टैण्ड, टैक्सी स्टैण्ड तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर जाकर लोगों को धूम्रपान से होने वाले कुप्रभावों के बारे में बताया तथा भविष्य में नशा न करने का संकल्प दिलवाया।

– **प्रवीण मेहन्दीरत्ता**,सचिव

मण्डी डबवाली (स्थापना दिवस पर पौधारोपण) :- 10 जुलाई 2011 को परिषद् के स्थापना दिवस पर रेलवे परिसर के शिव मन्दिर पार्क में तुलसी व बेलपत्र के पौधों का रोपण किया गया। जिसमें परिषद् के 20 सदस्यों ने अपनी सेवा अर्पित की।

– **कृष्ण कुमार वधवा**, सचिव

सफीदों (नवसम्वत् पर सामारोह):- 4 अप्रैल 2011 को भारतीय नव विक्रमी सम्वत 2068 समारोह बनाया गया। इस अवसर पर कस्बे के सभी प्रशासनिक अधिकारियों को, विद्यालयों के मुखियाओं को, वरिष्ठ नागरिकों को तथा शाखा सदस्यों को कार्डों तथा बैनरों के माध्यम से भारतीय नव वर्ष के शुभारम्भ पर हार्दिक शुभकामनाएँ दी गई।

– **विजेन्द्र चहल**, सचिव

वीर शाखा, हिसार (नव संवत्सर पर हवन):- नव संवत्सर 2068 के आगमन पर रानी लक्ष्मीबाई चौक पर हवन हुआ जिसमें प्रान्तीय सचिव महिपाल सिंह यादव तथा उनकी पत्नी रमा यादव ने यजमान के रूप में अपने कर्तव्यों की पूर्ति की। उल्लेखनिय है कि वीर शाखा, हिसार नव संवत्सर का शुभारंभ हवन यज्ञ से करती है तथा शाखा की स्थापना से ही यह परम्परा जारी है।

– **मदन लाल यादव**,सचिव

हांसी (राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता) :- 21 अगस्त 2011 को पंचायती रामलीला मैदान में राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें सी. एम. सी. हस्पताल हिसार के संचालक डॉ. अनिल पोपली मुख्य अतिथि, पी.एन. बी. के मुख्य प्रबंधक श्री बी.पी. भट्ट विशिष्ट अतिथि तथा प्रान्तीय अध्यक्ष गोपाल कृष्ण पोपली अध्यक्ष थे। शाखा अध्यक्ष दिलबाग सिंह वर्मा ने सफल कार्यक्रम पर सभी शाखा सदस्यों तथा अतिथियों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम संयोजक एम.पी. हरिदेव तथा कोषाध्यक्ष कश्मीरी लाल मनचंदा सहित सभी सदस्यों ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी की। हिन्दी तथा संस्कृत दोनों वर्ग की प्रतियोगिता में रा. व. मा. वि. हांसी की टीम प्रथम रही।

– **रमेश गुप्ता** ,सचिव

सीसवाल (सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती) :-23 जनवरी 2011 को शाखा ने गांव सीसवाल के मैन चौक पर हर वर्ष की भाँति सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती बड़ी धूमधाम से मनाई। इसमें विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए व सामाजिक बुराईयों पर प्रकाश डाला गया। ग्रामीण लोगों ने इस कार्य को मन से सराहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री ओमप्रकाश सैनी ने बच्चों को सम्मानित किया।

– **सुनील दत्त शर्मा**,सचिव

सिरसा (11 कुंडीय हवन यज्ञ) :- शाखा सदस्यों ने गायत्री परिवार हरिद्वार के सहयोग से आचार्य देवेन्द्र शर्मा के मार्गदर्शन में 11 कुंडीय हवन यज्ञ का आयोजन किया। इस अवसर पर प्रमुख समाज सेवी अशोक कुमार ने अपनी माता की स्मृति में रा.व.मा.वि., सिरसा में शुद्ध जल के लिए एक आर.ओ. सिस्टम भेंट किया।

– **भारतभूषण एलावादी**, सचिव

नरवाना (प्राकृतिक चिकित्सा शिविर) :- स्थानीय पब्लिक धर्मशाला नरवाना में हिमाचल प्रदेश के प्राकृतिक चिकित्सकों के मार्गदर्शन में 14 अगस्त से 21 दिन का प्राकृतिक चिकित्सा शिविर लगाया गया जिसमें नरवाना शहर के सैंकड़ों लोग लाभान्वित हुए। 27 अगस्त को शाखा द्वारा भ्रष्टाचार विषय पर एक संगोष्ठि का आयोजन किया गया।

– **रमेश सिंगला**, सचिव

उकलाना शाखा के सराहनीय कार्य

1. होली के अवसर पर लोगो में पर्चे बंटवाकर उन्हें जल संरक्षण व तिलक होली के लिए प्रेरित किया गया।
2. शाखा द्वारा 15 फ्री मेडिकल कैम्प विभिन्न भट्ठों, गांवों व स्कूलों में लगाकर लगभग 700 मरीजों का चैकअप किया गया व फ्री दवाईयाँ वितरित की गई।
3. उकलाना गऊशाला में लगातार 60 दिनों तक गऊओं की हर बिमारी जैसे एलर्जी, चीचड़, कमजोर गऊओं का बार–बार गिरना व खुर बढ़ना आदि का इलाज करवाया गया।
4. परिषद् के स्थापना दिवस पर बरवाला गऊशाला में जाकर गऊओं का नि:शुल्क इलाज करवाया गया जिसमें शाखा बरवाला भी सम्मिलित थी।
5. निर्जला एकादशी के अवसर पर गांव बुंढाखेड़ा में आयोजित विशाल भण्डारे में शाखा की ओर से मीठे पानी की व्यवस्था की गई।
6. शाखा के स्थायी प्रोजेक्ट 'जल वित्तरण' का रेलवे स्टेशन पर अप्रैल में शुभारम्भ किया गया।

– राजीव मित्तल

सहसचिव, शाखा उकलाना मण्डी

सूचना

सभी शाखाओं के सहयोग से विकास सूत्र का प्रकाशन निरन्तर जारी है। प्रत्येक अंक में हम एक सामाजिक मुद्दे पर विस्तार से चर्चा करते हैं। इसी कड़ी में आगामी अंक हेतु **'महंगाई की मार'** विषय पर आपके लेख, कविता, कार्टून तथा प्रेरणादायक प्रसंग सादर आमन्त्रित हैं। आपसे अनुरोध है कि आप शाखा गतिविधियों की फोटो सहित रिपोर्ट या सी.डी. 30 नवम्बर 2011 तक मेरे पते पर अवश्य भिजवा दें। आपके प्रेषण तथा प्रयासों के बिना प्रकाशन सम्भव नहीं हो पायेगा। आपसे सकारात्मक सहयोग का आकांक्षी हूँ।

– सम्पादक

पोलीथिन का प्रयोग बंद करने के लिए अभियान

भारत विकास परिषद् बरवाला ने पॉलीथिन पर रोक लगाने की मुहिम के चलते 31 मई, 2011 को शहर में 11 हजार जूट के कैरी बैग बांटे। परिषद् के इस अभियान में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बरवाला की छात्राएं शामील हुई। छात्राओं ने हाथों में बैनर लेकर शहर में रैली निकालकर पोलीथिन का प्रयोग बंद करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य अथिति नायब तहसीलदार इन्द्रसिंह जागलान, विशिष्ट अतिथि नगरपालिका सचिव दौलतराम वर्मा रहे। जागलान ने पोलीथिन बैग की हानियों के बारें में विस्तारपूर्वक बताया। श्री दौलतराम वर्मा ने बताया कि सरकार ने पोलीथिन पर रोक लगा रखी है। इसे लागू करने के अभियान में परिषद् की पहल अपने आप में एक सराहनीय कदम है। डॉ. अनंतराम ने विदेशों में पोलीथिन का प्रयोग और इसके नष्ट करने के बारे में अपने विदेश दौरे के अनुभव बताए। अध्यक्ष डा. सुन्दर लाल चावला ने बताया कि पोलीथिन बैग भूमि की उपजाऊ शक्ति कम करते हैं, इसे गाय खा जाती है जिससे गायों की मौत हो जाती है। इससे गंदे पानी के नाले व सिवरेज बंद हो जाते हैं। इस कार्यक्रम के प्रकल्प प्रमुख बजरंग जैन व ओमप्रकाश रहेजा रहे। इन्हीं के प्रयासों से यह कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा। इस अवसर पर डॉ. सुन्दरलाल चावला, सतबीर नेहरा, मोहनलाल रहेजा, महेन्द्र सेतिया, नन्दकुमार गर्ग, शिव कुमार कौशिक, साधुराम जाखड़, रामनिवास वर्मा, ओमप्रकाश मनचन्दा, विक्रम गुप्ता, महिला सहप्रमुख सुनीता मनचन्दा, डॉ. वजीर गिल, विक्की रहेजा, सुरेश गोयल, जी.के.नांगिया मैनेजर एस.बी.आई., केवल कृष्ण आर्य, भारतभूषण पाहवा, राजीव भाटिया, मनोज सरदाना, कृष्ण चौहान, पवन तनेजा, राजू सरदाना, सोनू असीजा, वीना चुघ, नरेन्द्र चुघ, डॉ. महेन्द्र सोनी और शहर के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

– सतबीर नेहरा

सचिव, शाखा बरवाला

''पहले मकान कच्चे थे किन्तु रहने वाले पक्के थे, आज मकान पक्के हैं किन्तु रहने वाले कच्चे हैं। पहले धन से धर्म कमाते थे, किन्तु आज धर्म की आड़ लेकर धन कमाते हैं।''

कृत्रिम अंग वित्तरण समारोह

मण्डी डबवाली:- शाखा द्वारा 02 अप्रैल, 2011 को कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें हिसार विकलांग पुर्नवास केन्द्र के सहयोग से शिविर लगाने का निर्णय लिया गया। इसमें परिषद् के 24 सदस्यों ने भाग लिया।

14 अप्रैल, 2011 को कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण के लिये जरूरत मंद लोगों को बुलाकर कृत्रिम अंगों हेतु नाप लिया गया। यह कार्यक्रम पंजाबी धर्मशाला में सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि पुलिस उपाधीक्षक श्री बाबू लाल जी थे व कार्यक्रम अध्यक्ष फतेहाबाद से श्री चन्द्र प्रकाश जी आहुजा क्षेत्रीय चेयरमैन II ने मार्ग दर्शन किया। इसमें 60 जरूरतमंद लोगों के अंगों का नाप लिया गया। जिसमें 43 को कृत्रिम अंग प्रदान करने के योग्य पाया गया।

07 मई, 2011 को पंजाबी धर्मशाला में आयोजित निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण समारोह में 41 जरूरतमंद लोगों को कृत्रिम अंग प्रदान किए गये व अंगहीनों को ट्रासाईकिल प्रदान किए। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि श्री रणवीर सिंह जी राणा, पूर्व चेयरमैन नगर सुधार मण्डल, मण्डी डबवाली व कार्यक्रम के अध्यक्ष हरियाणा पश्चिम के अध्यक्ष श्री गोपाल कृष्ण पोपली ने मार्ग दर्शन किया। कार्यक्रम में प्रान्तीय कोषाध्यक्ष सुरजीत चावला, जिला अध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र गुप्ता, भोजाराम मेहता, सहित विभिन्न संस्थाओं के गणमान्य व्यक्ति तथा शाखा के सदस्य गण उपस्थित थे।

– **कृष्ण कुमार वधवा**, सचिव

वीर शाखा, हिसार:- शाखा की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में 12 जरूरतमंद लोगों को कृत्रिम–अंग वितरित किए गए। यह कार्यक्रम ज्ञान दीप सेवार्थ आश्रम में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि श्री श्री 1008 श्री ओमानन्द महाराज ने कृत्रिम अंग व दो ट्राई–साईकिल जरूरतमंद लोगों को अपने हाथों से निःशुल्क वितरित किए। इस अवसर पर वीर शाखा के प्रधान जगतराम लोहान, मदन लाल महर्ष, आर.के. बेरवाल, गणेशदत्त शर्मा, सन्तोष पारिख व महाराज द्वारा आयोजित भण्डारे में आए सैकड़ों स्त्री–पुरूष व बच्चे उपस्थित थे।

– **मदन लाल यादव,** सचिव

प्रान्तीय कार्यशाला

24 अप्रैल 2011 को हरियाणा पश्चिम प्रान्त की 2011-12 की कार्यशाला बरवाला शाखा के सहयोग से सम्पन्न हुई। जिसमें 28 शाखाओं के सदस्यों ने शानदार उपस्थिति दर्ज कराई। दीप प्रज्ज्वलन व वन्दे मातरम् गायन के बाद 2011-12 की प्रान्तीय टीम सहित शाखा सदस्यों का परिचय कराया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता श्री एस. एस. अस्थाना (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष) ने की। कार्यशाला में डा. के. एल. चावला (क्षेत्रीय मन्त्री, सम्पर्क), श्रीमती अविनाश शर्मा (रा. मन्त्री, महिला सहभागिता), श्री सुरेन्द्र लाहोरिया (रा. संयोजक विकलांग सहायता) का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यशाला में परिषद् दर्शन, उद्देश्य, शाखा स्तर पर बैठकों का संचालन, दायित्वधारियों की भूमिका व दायित्व, रिकार्ड कीपिंग व रिर्पोटिंग, शाखा/सदस्यता विस्तार, वित्तीय प्रबन्धन, परिषद् के प्रकल्प व कार्यक्रम का सफल आयोजन इत्यादि पर केन्द्रीय/क्षेत्रीय व प्रान्तीय अधिकारियों का मार्ग दर्शन मिला। कार्यशाला के दौरान स्वामी ज्ञानानन्द जी महाराज की विशेष उपस्थिति ने माहौल को आध्यात्मिक बना दिया। केन्द्र से उपस्थित श्री अस्थाना जी ने कार्यशाला की सफलता पर उपस्थित सभी सदस्यों को बधाई दी।

कार्यशाला के दौरान बरवाला शाखा का दायित्व ग्रहण कार्यक्रम भी सम्पन्न हुआ। दायित्व ग्रहण कार्यक्रम में शाखा ने 15 नये सदस्य बनाए। बरवाला शाखा द्वारा उपकार पैलेस में की गई सुन्दर व्यवस्था की सभी ने प्रंशसा की। जिसके लिए बरवाला शाखा बधाई की पात्र है।

-: कार्यशाला में विशेष :-

- कार्यशाला के दौरान यह निर्णय लिया गया कि वर्ष में प्रत्येक जिले में जिला स्तर की कम से कम दो बैठकें होना अनिवार्य हैं। इन बैठकों के आयोजन की जिम्मेवारी जिला अध्यक्ष व जिला सचिव की संयुक्त रूप से रहेगी।
- प्रान्तीय आयोजन में शाखा मंच, कार्यक्रम व भोजन की व्यवस्था करेगी। अध्यक्षता, कार्यक्रम की रूप-रेखा, संचालन सभी प्रान्त द्वारा होगा। मुख्य/विशिष्ट अतिथि भी प्रान्त की पूर्व स्वीकृति से ही बनाये जायेगें।
- वर्ष के पहले कार्यक्रम में 28 शाखाओं के सदस्यों की उपस्थिति उत्साहवर्धक रही।
- 13 शाखाओं ने कार्यशाला में शुल्क जमा करवाकर एक उदाहरण प्रस्तुत किया। इन सभी शाखाओं को कार्यशाला के दौरान पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया।

- कार्यशाला के दौरान छोटे-छोटे ग्रुप में किये गये विचार विमर्श को सभी ने सराहा।
- कार्यशाला के दौरान प्रान्तीय कार्यालय द्वारा विशेष रूप से शाखाओं/सदस्यों के लिए जरूरी स्टेशनरी/ज्ञानवर्धक पुस्तकें व उपयोगी सामग्री को उपलब्ध करवाने का प्रयास किया गया।
- **कार्यशाला के दौरान शाखाओं ने इतिहास रचते हुए एक ही दिन में 51 नए विकास मित्र बनाए।**

- नरेन्द्र शर्मा
प्रान्तीय महासचिव

अभिभावकों के प्रति युवाओं का कर्तव्य

अभिभावक बनना एक ऐसा सुख है जिसे हर माता-पिता प्राप्त कर अपने आपको धन्य समझता है। अभिभावक अपने बच्चों की खुशी के लिए जिन्दगीभर कष्टों से जूझते रहते हैं ताकि उनके बच्चों को कोई कष्ट न हो। जब बच्चा जन्म लेता है तभी से उसका सुख-दु:ख माँ-बाप का सुख दु:ख बन जाता है। मां-बाप सारी-सारी रातें जागते हैं ताकि उनके बच्चे सुख की नींद सो सकें। बच्चों के सपने पूरे करने के लिए माता-पिता अपने सारे सुखों को कुर्बान कर देते हैं। परन्तु क्या आजकल के युवा अपने माता-पिता के प्रति इसी प्रकार का दृष्टिकोण रखते हैं? युवाओं की जिम्मेदारी बनती है कि वह अपने माता-पिता की सेवा को अपना कर्तव्य समझे। जो बच्चे अपने माता-पिता की सेवा करते हैं, उनका सम्मान करते हैं, वे बच्चे जिन्दगी में हमेशा सफल होते हैं। आज के युवाओं को अपनी संस्कृति-संस्कारयुक्त जीवन जी कर मां-बाप की सेवा से निरन्तर आगे बढ़कर सुखमय जीवन की कामना करनी चाहिए। संतान को याद दिलाने के लिए ही अभिभावक दिवस मनाया जाता है ताकि बच्चे अपने मां-बाप को अपना स्नेह-सम्मान देना न भूलें। बच्चे अपने मां-बाप की आवश्यकताओं को जानें और उनकी भावनात्मक जरूरतों को पूरा करें। उनके अनुभव, ज्ञान और समझदारी को स्वीकार करें और उनकी आर्थिक एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी जरूरतों का ध्यान रखें। माता-पिता का आशिर्वाद लें, यह अनमोल है।

- डॉ. रणजीत गुप्ता
प्रान्तीय संयोजक, युवा संस्कार

जिला स्तरीय बैठक का आयोजन

24 जुलाई 2011 (रविवार) को जिला हिसार की प्रथम जिला स्तरीय बैठक, प्रान्तीय सचिव महीपाल यादव की अध्यक्षता में वीर शाखा, हिसार के सहयोग से कोलम्बस हाई स्कूल, हिसार में सम्पन्न हुई। जिसमें जिला हिसार की विवेकानन्द शाखा, वीर शाखा, बरवाला, हांसी, उकलाना मण्डी, आदमपुर, शीशवाल, प्रभुवाला के दायित्वधारियों ने भाग लिया। इससे पूर्व वीर शाखा के उपाध्यक्ष श्री गणेशदत्त शर्मा ने आए हुए मेहमानों का चन्दन का तिलक लगाकर स्वागत किया।

हरियाणा (प.) प्रान्त की तरफ से श्री महीपाल यादव प्रान्तीय सचिव, श्रीमती इन्दु मुन्जाल संयोजिका महिला सहभागिता, श्री इन्द्रजीत शर्मा जिला अध्यक्ष, डॉ. सतीश वर्मा सम्पादक 'विकास सूत्र', श्री सतीश गोयल संयोजक गुरूवन्दन छात्र अभिनन्दन, श्री हरीश शर्मा संयोजक विकलांग सहायता, श्री सुरेश भादू संयोजक बलिदान एवं जयन्ति ने भाग लिया व अपने-अपने प्रकल्पों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। श्री इन्द्रजीत शर्मा जिला अध्यक्ष ने शाखा विस्तार एवं शाखा संचालन पर विस्तार से चर्चा की व शाखाओं में आने वाली हर समस्या की निवारण संबंधी जानकारी आए हुए सभी सदस्यों को दी। श्री शिवकुमार कौशिक ने नई शाखा खोलने व उनके सहयोग के बारे में चर्चा की।

उकलाना शाखा के अध्यक्ष श्री संजय गुप्ता ने शाखा द्वारा संचालित स्थाई प्रकल्प फ्री हस्पताल एवं पैथोलोजीकल लैबोरेट्री के बारे में विस्तार से आए हुए सदस्यों को अवगत करवाया व हर शाखा में स्थाई प्रकल्प चलाने के लिए प्रेरित किया।

कोलम्बस हाई स्कूल में कार्यरत श्री एस.एन.वर्मा ने एक कविता के माध्यम से सभी में नई उमंग पैदा कर दी व विवेकानन्द शाखा के सचिव श्री अमर गोयल ने बजरंग बली का भजन सुनाकर बैठक को मंत्र मुग्ध कर दिया। वीर शाखा अध्यक्ष श्री जगत सिंह लोहान ने आए हुए मेहमानों का स्वागत एवं धन्यवाद किया तथा प्रान्तीय सचिव श्री महिपाल यादव ने प्रथम जिला स्तरीय बैठक में भाग लेने पर सभी शाखाओं का आभार व्यक्त किया।

- शिव कुमार कौशिक

जिला सचिव, हिसार

ऐलनाबाद शाखा के सराहनीय कार्य

सिलाई केन्द्र का शुभारम्भः- 15 जुलाई 2011 को ऐलनाबाद शाखा के सदस्यों ने एक सिलाई केन्द्र का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में महिला संयोजिका राज रानी गुप्ता ने दीप प्रज्जवलन किया। कार्यक्रम संयोजिका श्रीमति वचन कौर, सुषमा कामरा सहित 38 सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिताः- 27 अगस्त 2011 को आर.आर. मैमोरियल कॉलेज ऑफ एजूकेशन में आयोजित प्रतियोगिता के हिन्दी ग्रुप में 12 तथा संस्कृत गायन में 4 टीमों ने भाग लिया। हिन्दी तथा संस्कृत समूहगान में नचिकेतन पब्लिक स्कूल की टीम प्रथम रही जिसे मुख्य अतिथि भगवान दास सरदाना ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रान्तीय उपाध्यक्ष श्री इन्द्र गोयल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

पौधारोपण पखवाड़ाः-13 से 20 अगस्त 2011 तक पौधारोपण पखवाड़ा मनाया गया जिसके अन्तर्गत शाखा सदस्यों ने कुल 104 पौधे लगाये।

स्वतन्त्रता दिवस पर सम्मानः- 65वें स्वतन्त्रता दिवस समारोह में शाखा ऐलनाबाद को 215 यूनिट रक्त इकट्ठा करने पर सम्मानित किया गया। उपमंडल स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में उपमंडल अधिकारी रोशन लाल ने यह सम्मान प्रदान किया।

- **रामकिशन कम्बोज** ,सचिव

आदमी की क्या पहचान ?

शुद्ध मन से सेवा का चाव, हृदय में सदा दया का भाव।
होंठ पर प्यार भरी मुस्कान, आदमी की यह है पहचान।।

विनय से वाणी का सिंगार, याद रखना सब का उपकार।
भूल जाना करके अहसान, आदमी की यह है पहचान।।

कर्म करना वह भी निष्काम, सभी कुछ परमेश्वर के नाम।
झेलना हंस कर हर तूफान, आदमी की यह है पहचान।।

भले भिक्षुक हो या हो भूप, देखना सब में प्रभु का रूप।
समझना जीवन को वरदान, आदमी की यह है पहचान।।

- डॉ. सुरेन्द्र कुमार गुप्ता
जिला अध्यक्ष, सिरसा

मन से स्वीकार करें जिम्मेवारी

हर व्यक्ति अपने व्यक्तिगत कार्य तो अपना जीवन यापन करने के लिए करता है लेकिन उससे ऊपर उठकर देश व समाज की चिन्ता भी करनी चाहिए। हर व्यक्ति की सोच इतनी ऊंची नहीं होती कि वह समाज व दूसरे लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझे। समाज में प्रबुद्ध व आर्थिक दृष्टि से साधन सम्पन्न लोगों को गरीब लोगों की सहायता करनी चाहिए। भारत विकास परिषद् के पांच स्तम्भ "सम्पर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा, समर्पण" हमें अपनी जिम्मेदारी का अहसास करवाते हैं। भारत विकास परिषद के हर सदस्य को भारत विकास परिषद की पूरी जानकारी लेनी चाहिए। इसके सिद्धान्त, नियम, कार्यक्षेत्र व कार्यपद्धति का गहन अध्ययन करना चाहिए। भारत विकास परिषद् के प्रत्येक कार्यक्रम में भागीदारी से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। इसकी प्रतिज्ञा हमेशा अपनी जिम्मेदारी का अहसास करवाती रहती है जिस कारण से व्यक्ति कोई गलत कदम नहीं उठा सकता। वह किसी के नुकसान करने बारे सोच भी नहीं सकता।

परिषद कार्यों में भाग लेने पर स्वयं का विकास तो होता ही है साथ में समाजसेवा भी होती है। व्यक्ति धीरे-धीरे संस्कारवान बनता जाता है। उसकी सोच स्वयं तक सीमित न होकर विस्तृत हो जाती है। वह दूसरों के सुख-दुख में भागीदारी करता है। परिषद में जुड़ने से समाज में व्यक्ति की पहचान बढ़ती है, सम्पर्क बढ़ते हैं, कार्यक्षेत्र बढ़ता है। कार्य करने से मन को वास्तविक खुशी मिलती है। मिलजुलकर काम करने की आदत बन जाती है जिससे आपसी भाईचारा बनता है। गरीब व असहाय लोगों की मदद करने का अवसर मिलता है। अतः हर बुद्धिजीवी भारत विकास परिषद् के सदस्य बनकर स्वयं का निर्माण करें तथा देश और समाज की चिन्ता करें। ऐसा करने से समाज का नक्शा ही बदल जाएगा।

साधुराम जाखड़,
सदस्य, शाखा बरवाला

एक साथ अधिक कार्य हाथ में न लिये जाएँ क्योंकि इससे किसी भी काम में पूरा मनोयोग एवं उत्साह नहीं रहने से सफलता नहीं मिल सकेगी। अतः एक-एक कार्य को हाथ में लिया जाये और क्रमशः सब को कर दिया जाये अन्यथा सभी कार्य अधूरे रह जायेंगे और पूरे हुए बिना कार्य का फल नहीं मिल सकता।

आओ साथी ! कुछ दीप जला लें

अंधकार गहरा है
श्वासों पर तम का पहरा है
आओ साथी! कुछ दीप जला लें।
मंजिल बहुत दूर है पंथी, पर चलना तुझे अकेला है।
पग-पग पर छलनाएं हैं, रम्भाओं का मेला है।।
लक्ष्मण! तुझ को छलने कोई, रावण-भगिनी आएगी।
सत्ता-प्रभुता, वैभव के, कुछ इन्द्रजाल दिखलाएगी।।
चमकीले दर्पण के नीचे, कूप यहाँ गहरा है,
स्वाति की बूंदों से साथी! मन का सीप सजा ले।

रोटी तुझे वही खानी है, जिस पर खूनी दाग न हो।
धुली पसीने से हो पर, किसी पेट की आग न हो।।
श्रम सीकर से रोज नहा, करना कर्म देव का वन्दन।
शील तुम्हारा मलय पवन हो, चरित्र तुम्हारा चन्दन।।
चारों ओर पंक गहरा है, जोकों का पहरा है,
आओ साथी! पंकज का रूप बना लें।
आओ साथी! कुछ दीप जला लें।।

संकलन - कृष्ण जैन, उकलाना मंडी

श्रद्धांजली

भारत विकास परिषद् हरियाणा पश्चिम के संगठन सचिव श्री केवल कृष्ण की पूज्य भाभीजी, बरवाला शाखा के सदस्य साधुराम जाखड़ की माता जी, टोहाना शाखा के सदस्य भीम गोयल के पिताजी के निधन पर परिषद् परिवार श्रद्धासुमन अर्पित करता है तथा दिवंगत आत्माओं की परम शान्ति के लिए प्रार्थना करता है।

संस्था है एक न्यारी– भारत विकास परिषद्

संस्था है एक न्यारी, भारत विकास परिषद्।
है विश्व भर की प्यारी, भारत विकास परिषद्।।

जन जन विकास से ही, भारत विकास संभव।
यह मूल मंत्र धारी, भारत विकास परिषद्।।

अज्ञान और अशिक्षा का, मिटा रही है अंधेरा।
बनकर तलवार दुधारी, भारत विकास परिषद्।।

जागृति सभी में लाये, सम्पर्क के सहारे।
हर पल है परोपकारी, भारत विकास परिषद्।।

है उन्नति के पथ पर, सहयोग सब का लेकर।
सदैव अग्रणी हमारी, भारत विकास परिषद्।।

सात्विक विचार जिसमें, खिलते हैं फूल बनकर।
ऐसी ही एक क्यारी, भारत विकास परिषद्।।

निःस्वार्थ सेवा भाव की, मिसाल बन गई है।
है निश्छल ईष्टकारी, भारत विकास परिषद्।।

तन, मन और धन से, करते हैं जो समर्पण।
जाती है उन पे वारी, भारत विकास परिषद्।।

'इन्दु' सभी के दिल से, आवाज ये ही निकले।
है जान से भी प्यारी, भारत विकास परिषद्।।

–इन्दु मुंजाल
प्रान्तीय महिला संयोजिका

प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक डॉ० सतीश वर्मा ने विकास सूत्र त्रैमासिक पत्रिका संगम कम्प्यूटर्स, रेलवे रोड़, नजदीक ओवर ब्रिज, हिसार–125001 (हरि.) से छपवाकर प्रकाशित की।
सम्पादक : डॉ० सतीश वर्मा, मोबाईल नं० 94663–30999
किसी भी वाद–विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार होगा।